पहल

मुख्य सचिव की उपस्थिति में आईआरडीई देहरादून और यूपीडा के बीच एमओयू

लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में स्थापित होगी पहली स्वदेशी डिटेक्टर फैब लाइन

अमर उजाला ब्यूरो

25 एकड़ में लगेगी परियोजना, 650 नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे

लखनऊ। यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई) देहरादून और उप्र. एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के बीच मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को समझौता (एमओयू) हुआ।

इसके तहत रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधीन प्रयोगशाला आईआरडीई, आईआर डिटेक्टरों के विकास और निर्माण के लिए स्वदेशी फैब लाइन की स्थापना करेगा। 2000 करोड़ रुपये की यह परियोजना यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में 25 एकड़ क्षेत्र में लगेगी। इससे करीब 650 नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि देश में पहली स्वदेशी आईआर डिटेक्टर फैब-लाइन की स्थापना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी। इससे पहले आईआरडीई के अधिकारियों ने डिफेंस नोड पर प्रस्तावित साइट का निरीक्षण किया। बता दें, वर्तमान में भारत प्रतिवर्ष 5000 से अधिक आईआर डिटेक्टरों का आयात करता है।

इस मौके पर आईआरडीई के निदेशक डॉ. अजय कुमार, डॉ. सुधीर खरे, डॉ. निमिष दीक्षित, अजय मिश्रा, डॉ. प्रभात शर्मा, एसएन सिंह आदि मौजूद रहे।